This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6262**

Unique Paper Code : **210601** **E**

Name of the Paper : **Text of Indian Philosophy–II**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written *either* in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. How does Vedānta Paribhāṣā define perception ? Discuss the role of mind in the perceptual process.

वेदान्त परिभाषा में प्रत्यक्ष की व्याख्या किस प्रकार की गई है ? प्रत्यक्ष की प्रक्रिया में मनस की भूमिका की विवेचना कीजिए।

P.T.O.

2. What are the *four* conditions that make a sentence meaningful ? Discuss with reference to the account of śabda pramāṇa in Vedānta Paribhāṣā.

कौनसी **चार** दशाएँ एक वाक्य को सार्थक बनाती हैं ? वेदान्त परिभाषा में दिए गए शब्द प्रमाण के वृत्तांत के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

3. According to Vedāntins, Naiyāyikas are wrong in classifying the knowledge acquired through presumption under the case of inference. Do you agree ? Discuss with reference to the accounts of presumption and inference in Vedānta Paribhāṣā.

वेदान्तियों के अनुसार, नैयायिकों का मत है कि अर्थापत्ति द्वारा उत्पन्न हुआ ज्ञान अनुमान का ही नमूना है, गलत है। क्या आप मानते हैं ? वेदान्त परिभाषा में दिए गए अर्थापत्ति और अनुमान के वृत्तांत के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

4. "Objection : Since a thing cannot abide in itself, how can it be a characteristic (of itself) ?

Reply : Not so. For since the same thing can be conceived of as a possessor of attributes and an attribute with regard to itself, it can be a thing having a characteristic as also a characteristic". (Vedānta Paribhāṣā)

Elucidate with reference to the nature of Brahman as discussed in the chapter 'Subject Matter of Vedanta' in Vedānta Paribhāṣā.

''आक्षेप : यदि एक वस्तु स्वयं में स्ववृत्तित्व नहीं कर सकती, वह (स्वयं का) लक्षण कैसे हो सकती है ?

उत्तर : ऐसा नहीं है क्योंकि एक ही वस्तु गुणों को धारण भी करती है और अपने संबंध में गुण भी होती है, वह ऐसी वस्तु हो सकती है जो लक्षण को धारण भी करती है और वेदान्त परिभाषा के लक्षण भी है। (वेदान्त परिभाषा)

वेदान्त परिभाषा के 'विषय परिच्छेद' अध्याय में ब्रह्म के स्वरूप की चर्चा के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

Is the knowledge of Brahman immediate according to Vedānta Paribhāṣā ? Elucidate with reference to the discussion on the means of knowledge of Brahman in Vedānta Paribhāṣā.

क्या ब्रह्म ज्ञान अपरोक्ष ज्ञान है ? वेदान्त परिभाषा में ब्रह्म के ज्ञान प्राप्ति के साधनों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

What is validity of knowledge ? Distinguish between svatahpramāṇyavāda and partahpramāṇyavāda.

ज्ञान की सार्थकता क्या है ? स्वत:प्रमाण्यवाद और परत:प्रमाण्यवाद के बीच अन्तर कीजिए।

7. Write short notes on any *two* of the following :

(*i*) Comparison

(*ii*) *Four* kinds of non-existence

(*iii*) Vedānta cosmogony

(*iv*) Indeterminate and determinate perception.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) उपमान

(*ii*) अनुपलब्धि के **चार** प्रकार

(*iii*) वेदान्त का ब्रह्माण्ड विज्ञान

(*iv*) निर्विकल्प और सविकल्प प्रत्यक्ष।